बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

मार्च, 2024

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची   पेज नं.

(A)	**बिहार में गर्म हवाएं एवं लू से बचाव पर एक दिवसीय कार्यशाला**	03
(B)	एनडीएमए और बीएसडीएमए मिलकर करेंगे कार्य	05
(C)	Climate Action Conclave में प्राधिकरण का अभिनव स्टॉल	07
(D)	"जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य पर खतरा और जोखिम प्रबंधन" पर कार्यशाला	08
(E)	जलवायु परिवर्तन शमन एवं अनुकूलन संबंधित कार्य	09
(F)	बालासोर दुर्घटना :पीड़ितों के पुनर्वास व पुनर्प्राप्ति का समन्वित प्रयास	10
(G)	डीआरआर रोडमैप अद्यतीकरण	11
(H)	सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण का प्रशिक्षण	12
(I)	स्वास्थ्य कर्मियों का आपदा जोखिम प्रशिक्षण कार्यक्रम	13
(J)	अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण	14
(K)	प्राधिकरण की टीम ने सीआरसी का दौरा किया	15
(L)	साइन लैंग्वेज वर्कशॉप का समापन	16
(M)	बीएसडीआरएन ऐप के इस्तेमाल से संबंधित उन्मुखीकरण कार्यशाला	17
(N)	फरवरी माह में मीडिया में प्राधिकरण की गतिविधियों की कवरेज	18
(O)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	19
(P)	मार्च माह की व्यय विवरणी (रुपये में)	20
(Q)	जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	21

(A) बिहार में गर्म हवाएं एवं लू से बचाव पर एक दिवसीय कार्यशाला

अप्रैल माह एवं उसके बाद गर्म हवाओं एवं लू के संभावित खतरों से निपटने के लिए पूर्व तैयारी, अगलगी की रोकथाम एवं संबंधित विभाग स्तर एवं जिला स्तर कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा, लू कार्ययोजना के आलोक में तैयारी (लू के पहले, लू के समय एवं लू के बाद) पर कार्यशाला एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक माननीय उपाध्यक्ष की स्वीकृति से 21 मार्च, 2024 को प्राधिकरण के सभागार में आयोजित की गई। इसमें करीब 80 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में सभी संबंधित विभागों के वरीय प्रतिनिधि, सभी नगर निगमों के प्रतिनिधि, सभी जिला के आपदा प्रबंधन प्रतिनिधि, यूनिसेफ, बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही।

यह कार्यशाला माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत की अध्यक्षता में तथा माननीय सदस्यत्रय श्री पी. एन. राय, श्री मनीष कुमार वर्मा व श्री कौशल किशोर मिश्र के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यशाला में प्राधिकरण के माननीय सदस्य मनीष कुमार वर्मा ने राज्य में लू एवं अगलगी से बचाव के सापेक्ष पूर्व तैयारी पर अपने विचार रखे। उन्होंने पिछले वर्ष लू की भयावहता पर ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में बढ़ोतरी और मौसम में बदलाव हो रहा है। वर्षा में बदलाव के कारण खेती के समय में भी बदलाव हो रहा है। इस वर्ष चुनाव के समय वोटरों और गर्भवती महिलाओं के बचाव के लिए उन्होंने सभी हितधारकों को प्रत्येक बूथ स्तर पर तैयारी के लिए निर्देश दिए।

माननीय सदस्य श्री पी.एन.राय ने बढ़ते तापमान पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी को मिलकर अंचल स्तर तक संवेदनशीलता के अनुसार लू और आग से बचाव के लिए कार्य करना होगा। उन्होने मई, जून महीनों में अस्पताल में लू से प्रभावित मरीजों के उपचार और आवश्यक आपदा प्रबंधन के लिए तैयारी और डाटा संग्रहण पर कार्य करने को कहा। ओ.आर.एस. घोल के उपयोग और जन–जागरूकता के जरिए लू और आग से बचाव के लिए उन्होंने सभी हितधारकों से अपील करते हुए प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित सामुदायिक स्वयंसेवक, राजमिस्त्री, शिक्षक तथा जीविका दीदियों के सहयोग से कार्य करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के माध्यम से कार्य करने के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का भी सुझाव दिया।

माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रत्येक वर्ष बढ़ती गर्मी पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने सभी हितधारकों से साथ अगलगी और लू से बचाव के लिए पूर्व तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने लू और अगलगी से बचाव के लिए जन–जागरूकता, जंगली जानवरों के लिए पेयजल व्यवस्था के साथ–साथ गर्मी से पीड़ित मरीजों के लिए अस्पताल प्रबंधन एवं राज्य के सभी ट्रांसफार्मरों के सेफ्टी ऑडिट पर विशेष रूप से कार्य करने को कहा। वरीय सलाहकार डॉ. अनिल कुमार ने जलवायु परिवर्तन की भयावहता पर प्रकाश डाला। साथ ही लू से बचाव की पूर्व तैयारियों हेतु विभिन्न विभागों की भूमिका पर विस्तार से बताया, जिसके आधार पर तैयारियों की समीक्षा माननीय उपाध्यक्ष महोदय द्वारा की गई। मौसम सेवा केंद्र के निदेशक श्री सी.एन.प्रभु ने सभी हितधारकों को ससमय मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी देने की बात कही। वरीय सलाहकार डॉ. जीवन ने बिहार के अगलगी से बचाव के उपायों के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजित कुमार सिंह ने किया। श्री एस के चौधरी, डीआईजी, बिहार अग्नि शमन सेवा ने बढती गर्मी से आग की घटनाओं के न्यूनीकरण एवं शमन कार्यों पर विस्तार से बताया।

निम्न बिन्दुओं पर सहमति बनी एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदय द्वारा तत्संबंधी दिशानिर्देश दिए गए :

1. नगर विकास विभाग एवं नगर निगम

–शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक जगहों पर स्थानीय निकायों द्वारा प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

– नगरीय क्षेत्र में अवस्थित आश्रय स्थलों में पेयजल की व्यवस्था की जानी चाहिए।

2. स्वास्थ्य विभाग

–सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, रेफेरल अस्पतालों, सदर अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों व मेडिकल कॉलेज में लू से प्रभावितों के ईलाज हेतु विशेष व्यवस्था की जाए। सभी स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अस्पतालों में ओ. आर. एस. पैकेट, आई. वी. फ्लूड एवं जीवनरक्षक दवा इत्यादि की व्यवस्था अभी से ही कर ली जाए। विभाग स्तर पर अस्पतालों की तैयारी की समीक्षा की जाए।

– अत्यधिक गर्मी से पीड़ित व्यक्तियों के ईलाज हेतु अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड की व्यवस्था की जाए।

– गर्म हवाओं व लू से बचाव के उपाय से सम्बंधित प्रचार–प्रसार (आइईसी) सामग्री, स्थानीय स्तर पर मुद्रित कर पम्फलेट व पोस्टर के माध्यम से प्रचारित–प्रसारित कराया जाए एवं साथ ही स्थानीय प्रचार माध्यमों का भी उपयोग किया जाए।

3. लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग

–खराब चापाकलों का मरम्मत युद्ध स्तर पर किया जाए।

–जिन स्थानों पर नल का जल नहीं पहुचता हो एवं चापाकलों में पानी की कमी हो गयी हो, वहाँ निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार टैंकर के माध्यम से पेयजल पहुचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

–भूगर्भ जल स्तर की लगातार समीक्षा की जाए एवं इस पर सतत निगरानी रखी जानी चाहिए।

4. शिक्षा विभाग

–स्कूली बच्चों को भीषण गर्मी से बचने के लिए आवश्यक है कि विद्यालय या तो सुबह की पाली में संचालित हों। गर्मी की स्थिति को देखते हुए स्कूलों को अल्प अवधि के लिए बंद करने का निर्णय जिला स्तर पर लिया जाए।

– सभी स्कूलों एवं परीक्षा केन्द्रों में पेयजल, ओआरएस की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

– गर्म हवाएं, लू से बचाव के उपाय से संबंधित प्रचार–प्रसार (आइईसी) सामग्री, स्थानीय स्तर पर मुद्रित कर पम्फलेट व पोस्टर के माध्यम से प्रचारित–प्रसारित कराया जाए।

5. समाज कल्याण विभाग

–सभी आंगनबाडी केन्द्रों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था कराई जाये एवं वहां पर गर्म हवाओं एवं लू से बचाओ से संबंधित प्रचार–प्रसार (आइईसी) (बच्चों को समझने हेतु) सामग्री प्रदर्शित कर जनता को जागरूक किया जाए।

– स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आंगनबाडी केन्द्रों पर जीवन रक्षक घोल की व्यवस्था की जाए।

6. पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

–सरकारी ट्यूबवेल के समीप अथवा अन्य सुविधायुक्त स्थानों पर गड्ढा खुदवा कर पानी इक्कठा किया जाए, ताकि पशु–पक्षियों को पानी मिल सके।

7. ग्रामीण विकास विभाग

–मनरेगा अंतर्गत तालाबों, आहर इत्यादि की खुदाई की योजनओं में तेजी लायी जाए, जिससे इनमें पानी एकत्र कर पशु–पक्षियों को पानी उपलब्ध कराया जा सके।

– लू चलने पर मनरेगा की कार्य अवधि को सुबह 6.00 बजे से 11.00 बजे तक तथा अपराहन 3.30 बजे से 6.30 बजे तक निर्धारित किया जा सकता है।

– कार्य स्थल पर पेयजल, विशेष आश्रयों की स्थापना एवं लू लगने पर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की जाए।

8. ऊर्जा विभाग

– सभी ट्रांसफॉर्मरों का निवारक रखरखाव (Preventive Maintenance) का कार्य समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाए।

– निर्बाध बिजली की आपूर्ति सभी अस्पतालों में सुनिश्चित की जाए।

9. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

– गर्मियों के दिनों में लू चलने से वन्य जीव भी प्रभावित होते हैं। अतः वन्य जीव उद्यानों तथा अभ्यारण्यों में पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

– अभ्यारण्यों में गड्ढे खोदकर वन्य जीवों के लिए जल की व्यवस्था की जाए।

10. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

– गर्म हवाएं एवं लू से बचाव के उपाय से संबंधित विज्ञापन का प्रचार–प्रसार प्रिंट मिडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से कराया जाए।

– साथ ही गर्म हवाएं एवं लू से बचाव के उपाय से संबधित जिंगल को भी राज्य के एफएम एवं आकाशवाणी के रेडियो चैनलों के माध्यम से प्रचारित कराया जाए।

– सोशल मीडिया यथा फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि के माध्यम से भी प्रचारित कराया जाए।

11. सभी जिला पदाधिकारी एवं सभी आयुक्त, नगर निगम, बिहार

– गर्म हवाएँ एवं लू से बचाव हेतु "क्या करें, क्या ना करें" को जिला स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर इसे जन सामान्य के बीच प्रचारित किया जाए।

– साथ ही हीट एक्शन प्लान के तहत संबंधित कार्यालयों व निकायों को सनस्ट्रोक से बचने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निदेशित किया जाए।

– सभी नगर निगम उपरोक्त तैयारी एवं कार्य सुनिश्चित करेंगे।

अंत में माननीय उपाध्यक्ष एवं माननीय सदस्यों द्वारा बताया गया कि जन जागरुकता हेतु प्रचार सामग्री के लिए किसी विभाग या जिले को अलग से राशि की आवश्यकता हो तो उचित माध्यम से प्राधिकरण को यथाशीघ्र प्रस्ताव भेजा जा सकता है।

(B) एनडीएमए और बीएसडीएमए मिलकर करेंगे कार्य

—एनडीएमए के सदस्य श्री कृष्णा एस. वत्स ने प्राधिकरण के कार्यों को सराहा

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य श्री कृष्णा एस. वत्स ने शुक्रवार को यहां सरदार पटेल भवन स्थित बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) का दौरा किया और प्राधिकरण की गतिविधियों से रू–ब–रू हुए। प्राधिकरण की ओर से अतिथि का स्वागत वक्तव्य माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय ने किया। उन्होंने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में श्री वत्स के विशाल अनुभवों का जिक्र करते हुए बिहार में आपदा प्रबंधन के लिए बेहतर समन्वय की बात कही। आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन के क्षेत्र में बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा के अंतर्गत सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम, सामुदायिक स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, दिव्यांग समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में होनेवाले बदलाव तथा आपदा प्रबंधन के सापेक्ष नवीन नीतियों के निर्धारण और कार्यान्वयन पर विचार रखें। माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत ने प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे नवाचार के प्रयोगों यथा एआर, वीआर तकनीक के साथ, मशीन लर्निंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए आपदा प्रबंधन के लिए किए जा रहे कार्यों को देश स्तर पर लागू करने का सुझाव दिया। एनडीएमए और बीएसडीएमए एक साथ किस तरीके से समन्वित रूप से कार्य करें, उस सापेक्ष में सदस्य श्री वत्स ने अपने विचार व्यक्त किए। आपदा के समय त्वरित संचार संवहन के लिए मानव संसाधन नेटवर्क तैयार कर बीएसडीआरएन ऐप के निर्माण, उद्देश्य और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी सुम्बुल अफरोज ने दी। कार्यक्रम में आईआईटी, पटना के कंप्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राजीव मिश्रा ने विभिन्न आपदाओं की पूर्व सूचना देने के लिए विकसित श्नीतीशश सुरक्षा कवच के बारे में जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम में माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र और सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) भी उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्राधिकरण के वरीय सलाहकार डॉ. अनिल कुमार ने किया।

(C) Climate Action Conclave में प्राधिकरण का अभिनव स्टॉल

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा दिनांक 04–03–2024 को ज्ञान भवन में Bihar Climate Action Conclave का आयोजन किया गया। इसमें बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्राधिकरण की ओर से Conclave के दौरान आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर अभिनव स्टॉल लगाया गया।

माननीय उपाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में वर्ष 2019 में जल–जीवन–हरियाली कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन से पर्यावरण के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है ।

उन्होंने कहा कि बिहार में आकाशीय बिजली और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से काफी प्रवण है। इस आलोक में किसान, मजदूर, अनपढ़, दिव्यांग, बुजुर्ग, बच्चे, महिला एवं अन्य समुदाय को ससमय पूर्व चेतावनी पहुचने के उद्देश्य से प्राधिकरण के द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के सहयोग से पेंडेंट **"नीतीश"** का निर्माण किया गया है। इस इलेक्ट्रानिक डिवाइस का अंग्रेजी नाम है NITISH (Novel & Innovative Technological Intervention for Safety of Human Lives) |

प्राधिकरण के स्टाल पर किसान, मजदूर, दिव्यांग, बच्चों आदि को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे पेंडेंट 'नीतीश" सुरक्षा कवच व अकीरा मियावकी तकनीक से बहुत कम समय में सघन वन तैयार किए जाने की जानकारी लोगों को दी गई। अत्यधिक सर्दी एवं गर्मी के दौरान कमजोर एवं संवेदनशील समुदाय को सुरक्षित बनाने हेतु प्राधिकरण स्तर से की जा रही पहल तथा जलवायु परिवर्तन आदि विषयों पर स्टॉल की थीम आधारित थी। बड़ी संख्या में लोगों ने प्राधिकरण के स्टॉल का भ्रमण किया एवं जानकारी प्राप्त की।

(D) "जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य पर खतरा और जोखिम प्रबंधन" पर कार्यशाला

दिनांक 05 मार्च, 2024 को होटल मौर्य, पटना में गैर सरकारी संगठन एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) के बैनर तले आयोजित "जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य पर खतरा और जोखिम प्रबंधन" पर कार्यशाला में माननीय उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्राधिकरण की ओर से वरीय सलाहकार (जलवायु परिवर्तन) डा. अनिल कुमार ने भाग लिया। इस कार्यशाला का आयोजन सेंटर फॉर एनवायरॉनमेंटल हेल्थ और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से किया गया था। कार्यशाला संबंधित विवरण निम्नलिखित है :

कार्यशाला की शुरुआत पर्यावरणीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. पूर्णिमा प्रभाकरण के संबोधन से हुई। इसके बाद, राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त श्री त्रिपुरारी शरण, आयुष्मान भारत की सीईओ सुश्री अलंकिता पांडे और बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जीविका) के सीईओ डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, खासकर मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों और इन समस्याओं को कम करने के उपायों पर चर्चा की। आद्री की सदस्य सचिव डॉ. अस्मिता गुप्ता ने जलवायु परिवर्तन के विस्तृत अध्ययन और स्वास्थ्य जोखिम प्रबंधन पर आगे के शोध की आद्री की इच्छा के बारे में बताया। डॉ. जेंटे ब्रोकक्स, वीआईटीआई, बेल्जियम ने भारत में जलवायु अनुकूलन सेवाएं प्रदान करने वाले जलवायु स्वास्थ्य सेवा पोर्टल का प्रदर्शन किया। यह पोर्टल 50 से अधिक भारतीय शहरों, कृषि और प्रकृति के लिए वास्तविक समय भूमि उपयोग और जलवायु स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराता है। डॉ. एस.एन. शर्मा ने लखनऊ में 2020, 2021 और 2022 के दौरान डेंगू के खतरे की मैपिंग के बारे में बताया।

कार्यशाला में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव सुश्री बंदना प्रेयसी डॉ. पूर्णिमा प्रभाकरण, मेदांता के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रवि शंकर, महावीर कैंसर संस्थान के डॉ. अशोक घोष और बीएसपीसीबी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार जैसे विशेषज्ञों की पैनल चर्चा हुई। पैनल ने जलवायु परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं, मानव स्वास्थ्य पर इसके गंभीर प्रभावों और इन खतरों को कम करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप, तैयारियों और प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर चर्चा की।

बिहार स्वास्थ्य समिति की डॉ. रागिनी मिश्रा ने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य द्वारा किए गए कार्यों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. इंद्रनील सेन ने संचारी रोगों के बदलते स्वरूप को समझाया। डॉ. नुपुर बोस और डॉ. देबजानी सरकार ने भी जलवायु परिवर्तन और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर चर्चा की। कार्यशाला का अंतिम सत्र वायु प्रदूषण एवं खासकर सांस संबंधी बीमारियों पर पड़ने वाले प्रभावों पर केंद्रित था।

(E) जलवायु परिवर्तन शमन एवं अनुकूलन संबंधित कार्य

15 फरवरी, 2024 को ऑनलाइन मोड में माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ आयोजित बैठक में बिहार स्वास्थ्य समिति एवं डब्ल्यूएचओ के सहयोग से बिहार में जलवायु विशेषतः गर्मी से सम्बंधित बीमारियों के प्रति जागरूकता पैदा करने तथ क्षमतावर्द्धन हेतु लिए गए निर्णय के अलोक में डब्ल्यूएचओ के साथ परामर्श कर क्षमता निर्माण और जलवायु परिवर्तन से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए कार्य योजना बनाई गई है, जिसके तहत वे क्षमतावर्द्धन कार्य में तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे। इस आशय का एक अनुरोध पत्र डब्ल्यूएचओ को दिया गया है। इससे जुड़ कार्यक्रम बिहार स्वास्थ्य समित द्वारा संचालित किए जाने का प्रस्ताव है।

आगामी अप्रैल से जून के दौरान अपेक्षित गर्मी को ध्यान में रखते हुए और आपदा (आपातकालीन) पूर्व तैयारी एवं प्रतिउत्तर में सुधार करने के लिए, बिहार स्वास्थ्य समिति द्वारा गर्मी से संबंधित बीमारी (HRI) – प्रबंधन और रिपोर्टिंग तथा जलवायु एवं स्वास्थ्य संबंधित प्रबंधन पर क्षमतावर्द्धन कार्यशाला हेतु माननीय उपाध्यक्ष का अनुमोदन प्राप्त है। अनुमोदनोपरान्त बिहार स्वास्थ्य समिति से प्रशिक्षण प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इन कार्यक्रमों को अप्रैल, 2024 में संपादित किया जायेगा।

जलवायु परिवर्तन शमन एवं अनुकूलन के क्षेत्र में क्षमता विकास एवं संवेदीकरण–जागरूकता के लिए सम्बंधित विषयों पर स्वास्थ्य विभाग, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कृषि विभाग, नगर विकास विभाग एवं जल संसाधन विभाग के साथ संयुक्त कार्यक्रमों की रूपरेखा पर कार्य करने की योजना है। संबंधित विभाग से मिलकर कार्य योजना बनाई जानी है।

(F) बालासोर दुर्घटना :पीड़ितों के पुनर्वास व पुनर्प्राप्ति का समन्वित प्रयास

विगत दो जून, 2023 बालासोर ट्रेन हादसे के बाद बिहार में प्राधिकरण के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग, जीविका (ग्रामीण विकास विभाग), बीआईएजी, रिलायंस फाउंडेशन, यूनिसेफ और अन्य हितधारकों के साथ साझेदारी से पीड़ितों एवं परिवारों के सहयोग हेतु शुरू की गई समन्वित पहल नए आयामों की और बढ़ रही है। पीड़ितों एवं परिवार के जरुरतमंदों को सहायता, पुनर्वास, रेल दावा ट्रिब्यूनल में दावा आवेदन एवं अन्य तकनीकि सहयोग, रिलायंस के समन्वय उनके पुनर्वास हेतु तथा विभागों के सहयोग से सरकार की विभिन योजनाओं का लाभ, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक सलाह इत्यादि कार्य आज भी प्राधिकरण द्वारा जारी है। माननीय उपाध्यक्ष की दूरदृष्टि एवं भावनात्मक पहल से प्राधिकरण इस प्रयास को अंतिम मुकाम तक ले जाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही, एक मानक प्रचालन तंत्र विकसित करने का भी प्रयास जारी है। सभी इस हेतु समन्वित रूप से कार्यरत हैं। प्राधिकरण के सतत प्रयास के फलस्वरूप रिलायंस फाउंडेशन द्वारा पीड़ित चिन्हित परिवारों को पशुधन सहयोग कार्य शुरू कर दिया गया है और इसे अप्रैल, 2024 तक पूर्ण करना है। नौकरी एवं कौशल प्रशिक्षण हेतु चिन्हित पीड़ित परिवारों हेतु दीर्घकालीन योजना पर जल्द परिणाम देने का फाउंडेशन ने आश्वासन दिया है।

पीड़ित परिवारों से कुछ बच्चों को शिक्षा हेतु दीर्घकालीन सहयोग की आवश्यकता महसूस हुई। तत्काल अदानी फाउंडेशन से संपर्क किया गया एवं उनसे इस कार्य में सहयोग का आग्रह किया गया। लेकिन अभी तक अदानी फाउंडेशन से ढंग का जबाब नहीं आया है।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री सपना कुमारी का बालासोर ट्रेन दुर्घटना पीड़ितों से संबंधित कार्यों पर इंटर्नशिप चल रहा है। पीड़ित परिवारों से फोन पर एवं उनके ग्रामों में घर पर जाकर सुश्री सपना आवश्यक जानकारी जुटा रही हैं जिससे भविष्य की कार्ययोजना बनाने में मदद मिल सकती है। इंटर्नशिप पाठ्यक्रम का एक छह (06) क्रेडिट का कार्यक्रम है जिसका मूल्यांकन भी किया जाना है। मूल्यांकन फॉर्म इंटर्न द्वारा साझा करने की अपेक्षा है।

(G) डीआरआर रोडमैप अद्यतीकरण

यूनिसेफ द्वारा डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (डीआरआर) रोडमैप के अद्यतीकरण (संशोधन) का कार्य अंतिम चरण में है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय की सोच के अनुरूप पूरे ड्राफ्ट का नए सन्दर्भ में एवं इसकी व्यवहारिकता को ध्यान में रखते हुए पुनर्लेखन किया गया। सभी सुझाव एवं संशोधनों को सन्निहित कर लिया गया है। आदेशानुसार यूनिसेफ द्वारा रोडमैप के हिंदी अनुवाद का भी काम चल रहा है एवं 30 जून, 2024 तक इसे पूरा करने का यूनिसेफ ने आश्वासन दिया है। शिक्षा विभाग की पुस्तिका के आरंभिक प्रारूप में संशोधन हेतु सुझाव दिया गया है। इसे अंतिम रूप दिए जाने के बाद अन्य विभागों की पुस्तिका तैयार की जाएगी। सम्बंधित विभागों के साथ एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला यूनिसेफ के सहयोग से किया जाना आवश्यक लगता है।

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण, कोल्ड एक्शन प्लान एवं तकनीकी मार्गदर्शिका (कोल्ड एक्शन प्लान)

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान बनाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (आईआईपीएच), गांधीनगर के साथ संपन्न सहमति पत्र (एमओयू) के तहत कार्य चल रहा है। आरंभिक ड्राफ्ट में कई बार अनेक संशोधन सुझाए गए। साथ ही, डीआरआर रोडमैप एवं एनडीएमए के कोल्ड एक्शन प्लान मार्गदर्शिका के अलोक में ड्राफ्ट को पुनः तैयार करने को कहा गया। संस्थान के साथ ऑनलाइन मोड में कई बैठकें की गयीं, लगातार समीक्षा की गयी एवं ड्राफ्ट को सही रूप दिया जा सका। 31 मार्च तक तीन फाइनल ड्राफ्ट प्राप्त हो गए है, जिस पर संस्थान द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया जाना है।

सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत (बीबी–पीपीडीआर) नेटवर्क पर विज्ञान भवन में कार्यशाला

उक्त विषयक एक अंतर्राष्ट्रीय अनुभव साझा करने वाला सम्मेलन दिनांक 13 मार्च, 2024 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में ब्रॉडबैंड – सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत (बीबी–पीपीडीआर) नेटवर्क पर आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। माननीय उपाध्यक्ष की अनुमति से प्राधिकरण की ओर से वरीय सलाहकार (जलवायु परिवर्तन) डा. अनिल कुमार ने इस कार्यशाला में भाग लिया। बिहार से श्री अनिल कुमार, डीआईजी (वायरलेस) भी उपस्थित थे। कार्यशाला संबंधित विवरण निम्नलिखित है :

आपदा हस्तक्षेप के लिए नवीनतम तकनीकी नवाचारों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ विषयवस्तु के मामले में यह सम्मेलन बहुत सार्थक रहा। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय परिदृश्य में बीबी–पीपीडीआर नेटवर्क के कार्यान्वयन के लिए शामिल एमएचए, दूरसंचार विभाग, एनडीएमए, राज्य व केंद्र शासित प्रदेश पुलिस, एसडीएमए व एसडीआरएफ, अग्निशमन और एम्बुलेंस सेवाएं, एनडीआरएफ और आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के बीच क्षमता निर्माण को सुगम बनाना है। इससे प्रस्तावित नेटवर्क के लाभुकों (राज्यों एवं केन्द्र) के लिए मेक इन इंडिया विकल्प खोजने में मदद मिल सकती है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्न उपस्थित रहे : डॉ अजय कुमार भल्ला, केंद्रीय गृह सचिव, गृह मंत्रालय, राजकुमार गोयल, सचिव, सीमा प्रबंधन, गृह मंत्रालय, श्री नीरज वर्मा, प्रशासक (यूएसओएफ), दूरसंचार विभाग, अश्विनी कुमार माथुर, निदेशक (डीएम), दूरसंचार विभाग, श्री टेरो पेसोनन, उपाध्यक्ष और निदेशक, टीसीसीए, श्री ब्रैड मोरेल, निदेशक, फर्स्टनेट प्राधिकरण, श्री सुरेश चित्तरी, वरिष्ठ निदेशक, सैमसंग रिसर्च, श्री भरत भाटिया, वर्ल्ड वायरलेस रिसर्च फोरम के लिए एशिया प्रशांत के प्रमुख, श्री आशुतोष वर्मा, नोकिया, डॉ एन जी ठाव, नेटवर्क समाधान प्रमुख, दक्षिण पूर्व एशिया, श्री संजीव कुमार जिंदल, अतिरिक्त सचिव (प्रधानमंत्री कार्यालय और लोक शिकायत), गृह मंत्रालय व अन्य।

(H) सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण का प्रशिक्षण

हमारा बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलत : हमारे गांव, पंचायतों, प्रखंड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें, तो वे अपने जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है।

मार्च माह में 12 दिवसीय आवासीय सामुदायिक स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दो बैच सिविल डिफेंस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बिहटा में आयोजित किए गए। प्रथम 28–02–2024 से शुरू होकर 10–03–2024 तक चला। इस बैच में पूर्वी चंपारण, कटिहार एवं दरभंगा जिले के कुल 62 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया। पुनः दूसरा बैच 13–03–2024 से 24–03–2024 के बीच आयोजित किया गया। इस बैच में किशनगंज, भागलपुर एवं मुजफ्फरपुर जिलों के कुल 60 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया था। प्राधिकरण की ओर से राज्य में अब तक कुल 20 बैच में 11 हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(I) स्वास्थ्य कर्मियों का आपदा जोखिम प्रशिक्षण कार्यक्रम

आपदा के दौरान पीड़ित समुदाय को प्रभावी व त्वरित चिकित्सा सेवा मुहैया कराने एवं आपातकालीन स्वास्थ्य प्रणाली योजना तैयार करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य कर्मियों का क्षमतावर्द्धन किया जाना अनिवार्य है। किसी भी आपदा के दौरान अस्पताल प्रभावित होने वाला पहला संस्थान होता है एवं आपदा से प्रभावित समुदाय सबसे पहले अस्पतालों का ही रूख करता है।

उपरोक्त के मद्देनजर प्राधिकरण एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वाधान में मार्च माह में दिनांक 4–5 मार्च, 6–7 मार्च एवं 20–21 मार्च, 2024 के अंतराल में तीन बैचों में राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का अयोजन किया गया। आयोजित प्रशिक्षण में विभिन्न जिलों से आकस्मिकी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, जिला अस्पताल के प्रबंधक, जिला अस्पताल के सीनियर नर्सिंग स्टाफ एवं बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक ने भाग लिया।

(J) अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूकंप के दौरान आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की संस्था नेशनल स्किल डेवलेपमेंट कौंसिल (एनएसडीसी) के साथ प्रस्तावित एमओयू के सन्दर्भ में संशोधित ड्राफ्ट दुबारा प्राधिकरण को प्राप्त हुआ जिस पर फिर से विधिक परामर्श लिया गया। माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार इसे अन्तिम रूप देने हेतु एनएसडीसी से समन्वय का कार्य किया गया। अनुबंध के संशोधित प्रारूप पर प्राधिकरण सहमत है। तदनुसार अग्रेतर कारवाई की जा रही है।

बी एस टी एन (बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क) की स्थापना

बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क (बीएसटीएन) की स्थापना से संबंधित उपकरणों की प्राप्ति हेतु बिहार मौसम सेवा केंद्र द्वारा तैयार किये गए आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) को पुनरीक्षण व संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजा गया था। उनसे प्राप्त सुझाव के शामिल करते हुए संशोधित आरएफपी बिहार मौसम सेवा केंद्र से प्राप्त हुआ जिसे अग्रेतर कार्यवाही हेतु सचिव को पृष्ठांकित किया गया। बीएसटीएन के भवन निर्माण में हुई त्रुटि एवं जल रिसाव को ठीक करने के बिंदु पर आवश्यक निदेश भवन निर्माण निगम को दिया गया है। इन भवनों का निरीक्षण बिहार मौसम सेवा केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ० सी. एन. प्रभु द्वारा निगम के अभियंता के साथ संयुक्त रूप से किया गया है तथा उनसे प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में सुसंगत कार्यवाई की जा रही है।

(K) प्राधिकरण की टीम ने सीआरसी का दौरा किया

प्राधिकरण की एक टीम ने दिव्यांगजनों के कल्याणार्थ कार्यरत भारत सरकार की संस्था समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), शेखपुरा, पटना का दौरा किया। सीआरसी के कार्यों को समझने का प्रयास किया। दिव्यांगजन आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम प्राधिकरण का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसके सफल संचालन में सीआरसी किस तरह प्राधिकरण का सहभागी हो सकता है, इस पर सीआरसी की निदेशक सुश्री प्रियदर्शनी से चर्चा की गई।

सीआरसी की गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यहां 18 मार्च को 24वीं राष्ट्रीय मूक–बधिर शतरंज प्रतियोगिता का आगाज हुआ। बिहार राज्य मूक–बधिर क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 24 राज्यों के करीब 100 विशेष बच्चे भाग ले रहे हैं। सीआरसी की ओर से सभी खिलाड़ियों के ठहरने और खाने की व्यवस्था हॉस्टल में की गई है। अभी पटना स्थित इस केंद्र में लगभग डेढ़ सौ बच्चे अध्यनरत हैं। मूक–बधिर और दृष्टिबाधितों के लिए अलग–अलग डिप्लोमा इन एजुकेशन (स्पेशल एजुकेशन) के दो वर्षीय कोर्स संचालित किए जाते हैं। समावेशी शिक्षा के तहत यहां सामान्य और विशेष बच्चे, दोनों एक साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं। हॉस्टल के अलावा केंद्र में साफ–सुथरी कैंटीन सहित सभी सुविधाएं मौजूद है। विशेष लोगों के लिए आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक फिजियोथेरेपी केंद्र भी यहां संचालित किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए इस समेकित क्षेत्रीय केंद्र के नए भवन का उद्घाटन वर्ष 2018 में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री थावरचंद गहलोत ने किया था। पूर्व में रेड क्रॉस के भवन में यह केंद्र संचालित किया जा रहा था। यह केंद्र राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जनशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीएमडी), कोलकाता और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य कर रहा है।

(L) साइन लैंग्वेज वर्कशॉप का समापन

दिव्यांगजन आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम के तहत विगत दिनों प्राधिकरणकर्मियों के कौशल विकास के उद्देश्य से आयोजित साइन लैंग्वेज वर्कशॉप का औपचारिक समापन शुक्रवार, 15 मार्च, 2024 को सर्टिफिकेट वितरण के साथ संपन्न हुआ। प्राधिकरण सभाकक्ष में अपराह्न 4.00 बजे से यह कार्यक्रम रखा गया। वर्कशॉप संचालित करने वाली संस्था डेफ वीमेन फाउंडेशन ऑफ बिहार की पदाधिकारीगण और साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट इसमें मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि आशियाना रोड, पटना निवासी मूक–बधिर दंपती (श्री सुनील कुमार व श्रीमती संगीता केसरी) शामिल हुए और अपने अनुभव साझा किए।

।। हिंदी हैं हम ।।

हर माह की 14 तारीख को हिंदी दिवस मनाने के निदेश के आलोक में मार्च महीने में हिंदी दिवस कार्यक्रम गुरुवार, 14 मार्च, 2024 को अपराह्न 4.00 बजे से प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्राधिकरणकर्मियों के बीच परस्पर विमर्श हुआ। इस संवाद में सभी सहयोगियों को उस हिंदी किताब, उपन्यास, फिल्म, डाक्यूमेंट्री व वेब सीरिज आदि पर बोलना था, जो उन्होंने हाल के दिनों में पढ़ी या देखी हो। उसमें उन्हें क्या अच्छा लगा और क्या नया सीखा, जिससे कि दूसरे भी प्रेरणा ग्रहण कर सकें, यह बताया।

(M) बीएसडीआरएन ऐप के इस्तेमाल से संबंधित उन्मुखीकरण कार्यशाला

दिनांक 04–03–2024 को दरभंगा जिला के जिला पदाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में बिहार राज्य आपदा संसाधन नेटवर्क (बीएसडीआरएन) के पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन के इस्तेमाल से संबंधित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस उन्मुखीकरण कार्यशाला में दरभंगा जिला के अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) के साथ–साथ सभी लाइन विभागों के विभाग प्रमुख भी शामिल हुए।

श्री राजीव रौशन, जिला पदाधिकारी के द्वारा अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) के साथ–साथ सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि सभी लोग अपने–अपने मोबाइल में इस एप्लीकेशन को डाउनलोड कर लें ताकि किसी भी आपदा के समय इसका व्यापक इस्तेमाल किया जा सके। साथ ही, उन्होंने इस उन्मुखीकरण कार्यक्रम में कुल 41 पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्राधिकरण की ओर से वरीय तकनीकी सहायक सुश्री सुंबुल अफरोज ने बीएसडीआरएन ऐप और इसके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

एमिटि यूनिवर्सिटी के बच्चों के बीच जागरूकता फिल्मों का प्रदर्शन

एमिटि यूनिवर्सिटी, पटना में जनसंचार विभाग के बच्चों के बीच फिल्मों के प्रदर्शन के माध्यम से विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए जन जागरूकता का कार्य किया गया। भूकंप, अगलगी, नाव दुर्घटना, वज्रपात, सर्पदंश से बचाव, भीषण गर्मी/लू, शीतलहर से बचाव, भीड़भाड़ से बचाव, डूबने से बचाव के साथ–साथ अन्य आपदाओं से बचाव से संबंधित फिल्मों को देखकर तथा आपसी संवाद करके छात्र–छात्राओं ने सुरक्षित रहने के गुर सीखे। बच्चों ने फिल्मों को देखने के पश्चात अपने विचार व्यक्त करने के साथ ही गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रतिपुष्टि (फीडबैक) फॉर्म भरकर इस कार्यक्रम की सराहना की।

(N) मार्च माह में मीडिया में प्राधिकरण की गतिविधियों की कवरेज

बिहार में आपदा प्रबंधन के लिए बेहतर समन्वय जरूरी : वत्स

संवाददाता, पटना

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य कृष्णा एस वत्स ने शुक्रवार को सरदार पटेल भवन स्थित बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का दौरा किया.उन्होंने कहा कि बिहार में आपदा प्रबंधन के लिए बेहतर समन्वयन जरूरी है. इसके लिए जरूरी है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकार और बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार मिलकर काम करें. आपदा के समय त्वरित संचार संवहन के लिए मानव संसाधन नेटवर्क तैयार कर बीएसडीआरएन एप तैयार किया जायेगा, जिससे आपदा के दौरान होने वाले नुकसान को कम से कम किया जा सके. बिहार में राज्य आपदा प्राधिकरण की ओर से चले रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सदस्य मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि सभी जिले में सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, राजमिस्त्री कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम एवं सड़क सुरक्षा में कार्यक्रम चल रहा हैं.उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत ने कहा है कि प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे नवाचार के प्रयोगों यथा एआर, वीआर तकनीक के साथ, मशीन लर्निंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए आपदा प्रबंधन के लिए किए जा रहे कार्यों को देश स्तर पर लागू करने का सुझाव दिया. कार्यक्रम में आइआइटी, पटना के कंप्यूटर विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राजीव मिश्रा ने विभिन्न आपदाओं की पूर्व सूचना देने के लिए विकसित 'नीतीश' सुरक्षा कवच के बारे में जानकारी प्रदान की. मौके पर सदस्य कौशल किशोर मिश्र और सचिव मीनेंद्र कुमार, वरीय सलाहकार डॉ अनिल कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे.

अगलगी व लू से बचाव की पूर्व तैयारी करें : उदयकांत

पटना। अगलगी और लू से बचाव के लिए पूर्व तैयारी कर लें। जागरूकता, जानवरों के लिए पेयजल की व्यवस्था के साथ-साथ गर्मी से पीड़ित मरीजों के लिए अस्पतालों में भी उचित प्रबंधन हो। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत ने विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों की कार्यशाला में गुरुवार को ये बातें कहीं।

कार्यशाला में लू से बचाव के लिए कार्ययोजना एवं अगलगी की रोकथाम पर चर्चा हुई। प्राधिकरण सभागार में हुई कार्यशाला में प्राधिकरण सदस्य मनीष कुमार वर्मा ने चुनाव को देखते हुए वोटरों व गर्भवती महिलाओं के बचाव के लिए बूथ स्तर पर तैयारी के निर्देश दिए। सदस्य पीएन राय, मौसम सेवा केंद्र के निदेशक सी.एन प्रभु, वरीय सलाहकार डॉ. अनिल कुमार, वरीय सलाहकार डॉ. जीवन, डॉ. अजित कुमार सिंह ने भी विचार रखे।

कार्यशाला में बिहार अग्निशमन सेवा, कृषि विभाग, वन विभाग, भवन विभाग, ऊर्जा विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, बिहार मौसम सेवा केंद्र प्रभारी आदि मौजूद रहे।

'नीतीश पेंडेंट' का ट्रायल हुआ पूरा, जल्द ही मिलेगी लोगों को सुविधा

बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण में मौसम सेवा केंद्र के साथ हुई आपात बैठक

पटना,19, मार्च

नीत, तीव्र, शक्तिशाली सुरक्षा कवच यानि 'नीतीश पेंडेंट' अब बड़े पैमाने पर जल्द ही लोगों के बीच होगा। जिससे लोग गर्मी, लू, भूकंप, बाढ़, ठनका, और तूफान जैसी आपदाओं की पूर्व सूचना पाकर अपने जीवन को बचाने में सक्षम होंगे। यह बातें बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण की बैठक में मौसम सेवा केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ सी एन प्रभु ने कही। उन्होंने कहा कि 'नीतीश पेंडेंट' आपदाओं की पूर्व चेतावनी जारी करने के लिए हर प्रकार से तैयार है। इसके लिए आवश्यक तकनीक तैयार कर ली गई है। मौसम सेवा केंद्र के निदेशक का प्रभार संभालने के बाद डॉ प्रभु ने नीतीश पेंडेंट को परीक्षण के उपरान्त सभी प्रायोगिक और तकनीकी जांच सफल पाया है और बिहार मौसम सेवा केंद्र हर संभावित आपदाओं के लिए राज्य भर में अब हम पूरी तरह लोगों को अलर्ट मैसेज भेजने के लिए तैयार है।

डॉ. प्रभु ने बताया कि बिहार राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण और आईआईटी पटना के संयुक्त प्रयास से 'नीतीश पेंडेंट' तैयार हुआ है। यह

डिवाइस पहले बोल कर साथ में रंग बदल कर साथ ही साथ वाईब्रेट कर के अलर्ट मैसेज पहुंचाता है।

माननीय सदस्यों ने बताया कि 'नीतीश पेंडेंट' एक अत्याधुनिक उपकरण है जो बिहार में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उपयोग हो रहा है। इसका नाम छप्ज्ञै (छक्अमस – प्दजमटेम ज्मबी. दवसवहपबंस प्दजमतअमदजपवद वित "अपदह भ्मउंद सप्अमे) है, जिसका हिंदी रूपांतरण नीत, तीव्र और शक्तिशाली जीवन सुरक्षा कवच (नीतीश) है। छप्ज्ञै च्मदकंदज का उद्घाटन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया है। इसका उद्देश्य आपदा के समय में लोगों की जान को बचाना है।

यह डिवाइस वज्रपात, बाढ़, अत्यधिक गर्मी (लू), और शीतलहर जैसी आपदाओं में भी लोगों को चेतावनी देता है। यह दुनिया की पहली ऐसी डिवाइस है जो इतनी कारगर है। जब भी आपदा की सूचना आती है, यह डिवाइस उपयोगकर्ताओं को तुरंत अलर्ट करता है, जिससे वे सतर्क रह सकते हैं। यह शरीर की ऊर्जा से होता है। इस बैठक माननीय सदस्य श्री पी.एन. रा माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार व माननीय सदस्य कौशल किशोर मि के अलावे प्राधिकरण के माननी सचिव मीनेंद्र कुमार, वरीय सलाहक डॉ अनिल कुमार, डॉ.बी के सहा श्री अशोक कुमार और डॉ जीव कुमार समेत कई अधिकारी मौजू थे।

रवीन्द्र भारती

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकर

फोन–8541800571

'नीतीश पेंडेंट' का ट्रायल पूरा सुविधा जल्द : डॉ सीएन प्रभु

पटना . बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण में मौसम सेवा केंद्र के साथ मंगलवार को बैठक हुई, जिसमें निर्णय लिया गया है कि बहुत जल्द 'नीतीश पेंडेंट' को अब बड़े पैमाने पर लोगों के बीच लाया जायेगा. पेंडेंट गर्मी, लू, भूकंप, बाढ़, ठनका एवं तूफ़ान जैसी आपदाओं की पूर्व सूचना पाकर लोगों की जान बचाने में सक्षम होगा. मौसम सेवा केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ सीएन प्रभु ने कहा कि 'नीतीश पेंडेंट' आपदाओं की पूर्व चेतावनी जारी करने के लिए हर प्रकार से तैयार है. इसके लिए आवश्यक तकनीक तैयार कर ली गयी है. परीक्षण के बाद सभी प्रायोगिक और तकनीकी जांच सफल पाया है और बिहार मौसम सेवा केंद्र हर संभावित आपदाओं के लिए राज्य भर में अब हम पूरी तरह लोगों को अलर्ट मैसेज भेजने के लिए तैयार है. डॉ. प्रभु ने कहा कि प्राधिकरण और आइआइटी पटना के संयुक्त प्रयास से पेंडेंट तैयार हुआ है. यह डिवाइस पहले बोल कर साथ में रंग बदल कर साथ ही साथ वाईब्रेट कर के अलर्ट मैसेज पहुंचाता है. यह डिवाइस वज्रपात, बाढ़, लू और शीतलहर जैसी आपदाओं में भी लोगों को चेतावनी देता है. यह दुनिया की पहली ऐसी डिवाइस है जो इतनी कारगर है.

(O) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर मार्च माह में राज्य के कुल 358 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 24 सरकारी एवं 313 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

Month March -2024, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise

Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	2	53	55
2	Nalanda	0	0	0	2	9	11
3	Rohtas	0	0	0	1	3	4
4	Bhabhua	0	0	0	0	8	8
5	Bhojpur	0	0	0	1	1	2
6	Buxar	0	0	0	0	3	3
7	Gaya	0	0	0	0	8	8
8	Jehanabad	0	0	0	0	4	4
9	Arwal	0	0	0	0	0	0
10	Nawada	0	0	0	0	4	4
11	Aurangabad	0	0	0	0	6	6
12	Chhapra	0	0	0	0	3	3
13	Siwan	0	0	0	0	2	2
14	Gopalganj	0	0	0	0	6	6
15	Muzaffarpur	0	0	0	0	19	19
16	Sitamarhi	0	0	0	0	7	7
17	Sheohar	0	0	0	0	1	1
18	Bettiah	0	0	0	0	4	4
19	Bagaha	0	0	0	0	3	3
20	Motihari	0	0	0	0	5	5
21	Vaishali	0	0	0	0	23	23
22	Darbhanga	0	0	0	4	23	27
23	Madhubani	0	0	0	0	14	14
24	Samastipur	0	0	0	0	11	11
25	Saharasa	0	0	0	0	0	0
26	Supaul	0	0	0	0	0	0
27	Madhepura	0	0	0	0	5	5
28	Purnea	2	1	3	0	4	4
29	Araria	0	0	0	0	10	10
30	Kishanganj	0	0	0	0	20	20
31	Katihar	0	0	0	0	8	8
32	Bhagalpur	0	0	0	0	21	21
33	Naugachhia	0	0	0	0	0	0
34	Banka	0	0	0	0	1	1
35	Munger	0	0	0	0	2	2
36	Lakhisarai	0	0	0	10	2	12
37	Shekhpura	0	0	0	2	0	2
38	Jamui	0	0	0	0	3	3
39	Khagaria	0	0	0	0	7	7
40	Begusarai	0	0	0	0	9	9
	Total	2	1	3	22	312	334

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 12,846 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(P) मार्च माह की व्यय विवरणी (रुपये में)

व्यय विवरणी (मार्च- 2024)		
A	**31-06 (गैर–वेतन)**	
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	50,000
2	कार्यालय व्यय	4,52,980
3	वाहन–साज सज्जा	48,545
4	जन जागरुकता	10,61,480
5	सुरक्षित तैराकी	31,46,844
6	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	8,69,798
7	शिक्षक प्रशिक्षण	1,46,200
8	लू–कार्य योजना	12,61,656
9	भूकंप–सुरक्षा	12,999
10	बज्रपात/ठनका	7,150
11	डूबने से होनेवाली मौत	2,500
12	डीआरआर कैलेंडर	65,000
13	प्रकाशन एवं मुद्रण	2,707
14	एस डी एम एफ	4,950
15	बिहार दिवस 2024	5,500
16	सोनपुर मेला 2023	18,07,461
17	सम्मान समारोह	4,13,000
18	इनसे मिलिए	13,495
19	यात्रा–भत्ता	71,522
20	विद्युत	14,000
21	चिकित्सा	15,841
22	दूरभाष	9,639
B	**"अपस्केलींग ऑफ आपदा मित्र"**	81,40,925

(Q) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। फरवरी, 2024 में कुल 1589358 मास मैसेजिंग किए गए। शीतलहर से बचाव और सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश इस माह में प्रसारित किए गए।